रात्रीक्लास 23/4/68 ओमशान्ति शिवबाबा याद हैं?

प्रदर्शनी में नई दुनियां कैसे स्थापन होती है, किस द्वारा होती है यही समझाया जाता है भिन्न–भिन्न प्रकार से ; क्योंकि अशान्ति है। विश्व में शान्ति भी चाहते हैं। तुम बच्चों को लिख देना चाहिए विश्व में शान्ति। फिर उनके चित्र भी दिखाना है। यह विश्व के मालिक थे, विश्व में शान्ति थी; क्योंकि पवित्रता, सुख, शान्ति, सम्पत्ति थी। आयु भी बड़ी थी। जहां–2 म्युज़ियम प्रदर्शनी होती है तो यह बताना है। सभी एक कैसे हो सकते हैं? हर एक आत्मा का पार्ट अपना–2 है। एक हो न सके। पार्ट तो सभी का अपना–2 है। पहले–2 पार्ट होता हैं सुख–शान्ति का, फिर होता है दुःख–अशान्ति का। पुराने में दुःख–अशान्ति ज़रूर होगा। तुम समझते हो खेल ही है नई दुनियां, पुरानी दुनिया का। सृष्टि चक्र भी खाती है। कोई डिफीकल्ट समझानी नहीं है। बाप तो जानते हैं बच्चों ने भक्ति में बहुत ही दुःख देखा है। अपवित्र रहे हैं। रावण राज्य में बहुत ही दुःखी रहे हैं। सभी पसन्द करते हैं रामराज्य। रावण राज्य में अनेक धर्म हैं। रामराज्य में एक धर्म था और सतोप्रधान पवित्रता थी। तो ज़रूर सुख–शान्ति होगी। आयु भी बड़ी होगी। यह बातें तुम बच्चे ही जानते हो। बाबा ने समझाया है यह लोग सभी धर्म वालों को बुलाते हैं राय करने। एकता (वननेस) कैसे हो। उनसे अर्थ पूछना चाहिए। तुमसे डरते भी हैं। पता नहीं क्यों डरते हैं? रिलीजियस कॉन्फ्रेंस है। हाँ, तुम कहते हो पुरानी दुनिया का विनाश। तो कहते हैं ब्रह्माकुमारिया तो विनाश लावेंगी। अरे, विनाश बिगर शान्ति कैसे होगी! कहेंगे तुम कहते हो 8 वर्ष में विनाश; इसलिए बोलो 8 वर्ष में विश्व में शान्ति। शान्ति के लिए ही माथा मारते हैं। लिखो, 8 वर्ष में विश्व में सम्पूर्ण सुख–शान्ति का राज्य। तो यह ठीक है। समझेंगे नहीं। पत्थर बुद्धि–ठिक्कर बुद्धि हैं। कहते भी हैं परमात्मा सर्वव्यापी है। ठिक्कर बुद्धि ठहरे ना। तुम विनाश कहते हो तो डरते हैं। विनाश में ही विश्व की शान्ति है। यह समझते नहीं हैं। कहते हैं हम कहते हैं विश्व में शान्ति हो, तुम कहते हो विनाश हो। तुम बच्चे जानते हो लड़ाई तो ज़रूर होनी ही है। यह शान्ति स्थापन हो रही है बाप द्वारा। शान्ति का सागर बाप ही है। उनकी महिमा कर समझाना होता है। बाप ही विश्व में शान्ति की स्थापना, अशान्ति का विनाश और विश्व में शान्ति की पालना करेंगे। यह बातें तुम ही जानते हो। युक्ति युक्त समझाना है। तुम हो सेना। अजन इतना योगबल नहीं है। ज्ञान को बल नहीं। ज्ञान से धन मिलता है। कहा जाता है स्कूल में पढ़ने से कमाई होती है। वह है हद की कमाई, यह है बेहद की। बच्चे जानते हैं हम भविष्य 21 जन्म की कमाई कर रहे हैं। बन्धन पड़ता है तो तर(ड़)पती हैं। बाप से हम बेहद का वर्सा लेवें न कि बन्धन में फंसें। कई–2 पर जबरदस्ती होती है। सीढ़ी में दिखाया है ना। बाप भी कहेंगे इनको पकड़कर गंदा करो। दोस्तों को भी ले आते हैं। इनको पकड़ो। बाप समझाते रहते हैं कामेषु(शु) क्रोधेषु(शु) हैं। मार भी खावेंगे, नई बात नहीं। चिल्लाना नहीं है। बाबा को लिखेंगे। बाबा कर क्या सकते? बाप कहेंगे युक्ति रचो। बीमारी है, यह है। अनेक प्रकार की युक्तियां रचते हैं। बाप कहते हैं तुम्हारी आसक्ति नहीं है, जबरदस्ती करते हैं तो तुम्हारा कुछ नहीं होता है। लाचारी है ना। युक्तियां बहुत चाहिए। बहुत बच्चियां रोना भी सीख जाती हैं युक्ति से। बाप उन पर जबरदस्ती करते हैं। बच्चों की आसक्ति इस दुनियां में ही नहीं है। बाप कहते हैं इन आँखों से जो कुछ देखते हो भूलना है। तुम अभी पवित्र बनते हो। नई दुनियां भी तुम्हारे लिए होगी। जो कुछ होता रहता है ,नई नहीं है। सभी कल्प पहले मिसल होता है। तुम पुरुषार्थ करते हो ड्रामा अनुसार। अपन को बचाने का पुरुषार्थ भी करना है। हार खाते हैं। बाप कहते हैं लाचारी मार–2 करके फां हो जाते हो त(ो) फिर क्या करेंगे? मुठा जाकर के काला मुँह करे। बाबा हम रावण के (वश) हैं। हमारा दोष नहीं है। शिव बाबा से बातें ऐसी करनी चाहिए जैसे प्रैक्टिकल में। बाप कहते हैं तुम पर दोष नहीं है फिर भी जितना हो सके उन पर भी उपकार करो। सभी भारतवासी अपकारी हैं। उन पर कितना उपकार करता हूँ। वह भी रावण बस है ना। अभी तुम तो राम के बन गये हो। तो कोशिश कर उन पर उपकार कर थोड़ा ठीक कर

देना चाहिए जितना हो सके। आखरीन में समझ ही जावेंगे। ऐसे बच्चियां अपने पति को ले आती हैं। उनका कल्याण करना है। सहन भी करना पड़े। है यह एक अंतिम जन्म। दिन–प्रतिदिन समय थोड़ा होता जाता। 5–7 वर्ष हैं। बच्चा क्या करेंगे? दुनियां में बहुत हाहाकार हो जाता है। लड़ाई चलती है तो 6–7 वर्ष भी चलती है। अरे, अपन को सतोप्रधान बनाने बहुत मेहनत करनी है। बाप ने समझाया है तुम तमोप्रधान हो। अभी सतोप्रधान बनना है। यह योग अग्नि है। तुम कहो बाबा की याद। बाबा कहते हैं हे बच्चों मुझे याद करो तो विकर्म विनाश हो जावेंगे। आत्मा पवित्र बन जावेगी। यह पैगाम सभी को देना है। तीर्थों पर थोड़ा भी समझावेंगे तो पण्डे लोग वहां उनको डरा देते हैं। तुम्हारा नाम मशहूर है जादूगर से। बाप मनुष्य से देवता बनाते हैं वह तो अच्छा ही करते हैं। एमऑबजेक्ट दिखाना है। पुरुषोत्तम संगमयुग की बड़ी अच्छी समझानी देनी पड़े। यह है पुरुषोत्तम संगमयुग। कलियुग अंत, सतयुग के आदि का संगमयुग। सतयुग में देवताएं ही होते हैं। सिर्फ़ संगमयुग लिखने से भी समझेंगे नहीं। डिटेल में समझाना पड़े। बोलो हम ब्राह्मण हैं चोटी। वह अपवित्र हैं, हम पवित्र हैं। ब्राह्मणों को भी तुम समझा सकते हो। आदिदेव, एडम के बच्चे तो सभी हैं। उनको ग्रेट–2 ग्रैण्ड फादर दिखलाते हैं; परन्तु लाखों वर्ष कह देते। बाप ने बताया है 5000 वर्ष की बात है। कृष्ण के चित्र में 84 जन्मों की कहानी बड़ी ही अच्छी है। कृष्ण का चित्र कितना वण्डरफुल है। इतनी महिमा करके चित्र दो। तुम राधे–कृष्ण, ल.ना. को भी नही जानते। हम सभी को जानते हैं। रचयिता को, रचना को जानते हैं। तुम राजऋषि हो प्रवृत्ति मार्ग वाले। मेल–फिमेल सभी की आत्माएं राजऋषि हैं। वह है हद का सन्यास। यह है बेहद का। कोई समझते हैं कफनी पहननी पड़ती है। यह है रॉयल। सन्यास कराने वाला है परमपिता परमात्मा। तुम सभी उनके बच्चे हो। फादर शिव आत्माओं को समझाते हैं। फिर तुम फादर का शो करते हो। कहते हैं ना फॉलो फादर। यह दोनों ही इकट्ठे हैं तो दोनों को फॉलो करना है। उनको फॉलो कर तुम भी ऊँच पद पाते हो। जैसे यह समझाते हैं वैसे तुम भी समझाओ। जो नहीं समझा सकते हैं उनको ईडियट कहेंगे ना। उन स्टूडेन्ट का न्यू ब्लड यहां का है। यह सुख है उन्हों का रावण सम्प्रदाय के। तुम्हारा न्यू ब्लड होगा नई दुनियां में। अभी बाप कहते हैं घेराव डालो। म्युज़ियम खुलते रहेंगे। बच्चियां होती नहीं हैं जो सर्विस कर दिखावें। पढ़ने की मना नहीं है। दोनों ही पढ़ो। हर्जा नहीं है। टीचर को भी सिखाओ। टीचर्स के कॉन्फ्रेंस बता कर बोलो भगवानुवाच क्या समझाते हैं वह सुनाऊँ? वर्ल्ड की हिस्ट्री–जॉग्रफी कैसे रिपीट होती है हम तुमको समझावें। सर्विस बहुत कर सकते हैं। तुम मैसेज देने वाले हो। घर–2 में सभी मैसेज देना तुम्हारा फर्ज़ है। बैज निशानी तो है। गालियां देंगे। विघ्न पड़ेंगे, झूठ(ठे) कलंक भी लगेंगे। कृष्ण पर भी कलंक लगाई है ना। जिनको गाली देते हैं वह कलंकीधर बनते हैं। कृष्ण के पुरानी आत्मा को सभी गाली देते रहते हैं। कृष्ण को तो दे न सके। इनको देते हैं। विख पर झगड़ा चलता है ना। शुरू से इस पर चला हंगामा। तुम चिट्ठी लेकर आई। यह बाप की ताकत थी। अभी तुम कितना समझदार बनते हो। इस रथ में शिवबाबा है। बाप भी कहते हैं इन सभी रथों में आत्माएं हैं। परमात्मा किसको पढ़ाते हैं। प्रैक्टिस है हम आत्माओं को पढ़ाते हैं। फिर दादा को यह प्रैक्टिस करनी पड़ती है। तुम भी हिरो ना भाईयों को हम समझाते हैं। इसमें मेहनत है। घड़ी–2 देह अभिमान में आ जाते हैं। अच्छे–बुरे संस्कार आत्मा में होती है। सभी कर्म पीटते रहते हैं। बाप कर्म कूटने से मुफ्त कर देते हैं। अच्छा गुडनाइट। एक नया सेन्टर खुला है जिसकी एड्रेस लिख रहे हैं। **BAHMA KUMRIS**

C\O C.L. MANJI
DILAWAR GANJ
DARJEELING ROAD
KISHINGANG
DITT.PURNIYA (BIHAR)